



पोत परिवहन मंत्रालय

जहाजरानी महानिदेशक ने कमराजार हार्बर के बाहर दो जहाजों के टकराने के मामले में जांच गठित की है

जहाजरानी राज्यमंत्री श्री पोन.राधाकृष्णन क्लीन अप ऑपरेशन का जायजा लेने के लिए आज चेन्नई में

Posted On: 04 FEB 2017 6:58PM by PIB Delhi

एम.टी. बीडब्ल्यू मैपल एवं एम.टी. डॉन कांचीपुरम नामक दो पोत एक दूसरे की बगल से गुजरते हुए 28 जनवरी, 2017 को सुबह 03.45 बजे कमराजार हार्बर के बाहर एक दूसरे से टकरा गए। ऑयल टैंकर एम.टी. डॉन कांचीपुरम जो 32,813 टन पीओएल लाद कर ले जा रहा था, फट गया जिसकी वजह से इंजन तेल (न कि कार्गो के रूप में लाद कर ले जाया जा रहा पीओएल) छलकने लगा। चालक दल के किसी भी सदस्य को कोई नुकसान या चोट नहीं पहुंची।

कमराजार बंदरगाह ने किसी भी प्रकार के रिसाव को रोकने के लिए 28 जनवरी, 2017 को सुबह 7 बजे इसे एक सुरक्षित स्थान पर ले आने के बाद तत्काल पोत के आसपास ऑयल बूम तैनात कर दिया था। इसके बाद कोई रिसाव नहीं पाया गया। बंदरगाह के शीर्ष अधिकारियों ने दुर्घटना के बाद से स्थिति की निकटता से निगरानी की एवं दोनों पोतों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई। चूंकि ऑयल टैंकर एम.टी. डॉन कांचीपुरम भारी मात्रा में पीओएल कार्गो से भरा हुआ था, यह सुनिश्चित करना आवश्यक था कि इस पोत को सुरक्षापूर्वक गोदी पर लगा दिया जाए और इसके कार्गो को डिस्चार्ज कर दिया जाए जिससे कि किसी भी आपदा या दुर्घटना तथा तेल के बड़े रिसाव की आशंका से बचा जा सके।

पोत के नुकसान के आकलन के लिए तत्काल कदम उठाए गए। कमराजार बंदरगाह की गोताखोर टीम ने जल के भीतर निरीक्षण किया। बंदरगाह के अधिकारियों ने संबंधित क्लासिफिकेशन सोसायटी एवं महानिदेशक, जहाजरानी अधिकारियों, जिन्होंने पोतों का आंतरिक और बाह्य निरीक्षण किया, से परामर्श किया। पोत की स्थिरता की जांच के बाद एम.टी. डॉन कांचीपुरम को बंदरगाह पर लंगर डालने का फैसला किया गया जिससे कि पर्यावरण को होने वाले किसी नुकसान को रोकने के लिए तत्काल कार्गो को डिस्चार्ज किया जा सके। कमराजार बंदरगाह इस पोत को सावधानी पूर्वक बंदरगाह पर लेकर आया, जो कि एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, क्योंकि पोत का मुख्य इंजन कार्य नहीं कर रहा था और एक कोलड मूव के रूप में बर्थिंग मूवमेंट किया जाना था। इस महत्वपूर्ण कदम से तेल रिसाव की एक बड़ी आपदा की आशंका समाप्त हो गई। इस पोत ने अब पूरी तरह पीओएल कार्गो को डिस्चार्ज कर दिया है।

राष्ट्रीय तेल रिसाव आपदा आकस्मिकता योजना में प्रावधान हैं कि जहां बंदरगाह बंदरगाह क्षेत्र के भीतर किसी भी तेल रिसाव की घटना पर प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार है, तटरक्षक सेना सामुद्रिक क्षेत्र में तेल प्रदूषण से निपटने के लिए केंद्रीय समन्वय एजेंसी के रूप में कार्य करने के लिए जिम्मेदार है और राज्य सरकारें तटीय लाइन अनुक्रिया के लिए जिम्मेदार हैं। टियर-1 ऑयल स्पिल से निपटने के लिए आवश्यक उपकरण कमराजार बंदरगाह पर उपलब्ध थे और उनका उपयोग किया गया।

जहाजों के टकराने की दुर्घटना के तुरंत बाद कमराजार बंदरगाह द्वारा 28-01-2017 को सुबह 6 बजे तटरक्षक को सूचना दे दी गई। तटरक्षक सेना ने उसी दिन सवा सात बजे सुबह तक सर्वे करने तथा तेल रिसाव पर नजर रखने के लिए अपने जहाज और हेलीकॉप्टर तैनात कर दिए।

जैसे ही तेल लीक को ट्रैक किया गया, तटरक्षक सेना ने विभिन्न स्थानों पर क्लीन-अप अभियान के लिए उपकरण तथा श्रमबल को जुटाने तथा इन संचालनों को समन्वित करने का कार्य आरंभ कर दिया। एर्नावूर, चेन्नई फिशिंग हार्बर, मैरीन बीच, बसंत नगर, कोटिवक्कम, पलवक्कम, निलानकरई एवं इंजामबक्कम समेत विभिन्न स्थानों पर 2000 व्यक्तियों को इस अभियान में जोड़ने के द्वारा तिरुवल्लूर, चेन्नई एवं कांचीपुरम जिलों में एक व्यापक क्लीन-अप मुहिम चलाया गया। तटरक्षक सेना चेन्नई बंदरगाह एवं कमराजार बंदरगाह के कर्मचारियों, राज्य सरकार एवं इसकी एजेंसियों, इंडियन ऑयल कारपोरेशन एवं एनजीओ, समुद्री शैक्षणिक संस्थानों के कैडेट प्रशिक्षुओं छात्र स्वयंसेवकों एवं मछुआरों के साथ मिलकर संयुक्त रूप से सफाई अभियान का समन्वय कर रही है। इसके लिए विभिन्न समूहों का निर्माण किया गया एवं तटीय रेखा के विभिन्न स्थानों पर सफाई कार्य आरंभ किया गया।

केंद्रीय जहाजरानी राज्य मंत्री श्री पोन. राधाकृष्णन ने 30 जनवरी, 2017 को दुर्घटना स्थल का दौरा किया एवं उन क्षेत्रों का निरीक्षण किया जहां पोतों ने लंगर डाले थे और कमराजार बंदरगाह को हालात पर करीबी नजर रखने के निर्देश दिए। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अपर सचिव जहाजरानी मंत्रालय के संयुक्त सचिव (बंदरगाह) एवं जहाजरानी मंत्रालय के अपर महानिदेशक को प्रभावित क्षेत्रों के स्थानों का निरीक्षण करने एवं तेल रिसाव, सफाई अभियानों की समीक्षा तथा समन्वय करने के लिए भेजा गया। उन्होंने तमिलनाडु सरकार के मुख्य सचिव से भी मुलाकात की जो नियमित रूप से समीक्षा बैठक कर रहे हैं और उपचार संबंधी कदमों की नियमित रूप से निगरानी कर रहे हैं। जिला प्रशासन सफाई अभियानों में सक्रिय रूप से जुटा हुआ है। चेन्नई बंदरगाह एवं कमराजार बंदरगाह ने नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं। कमराजार बंदरगाह के पास टियर-1 ऑयल स्पिल रीस्पॉस उपकरण हैं जिसकी तैनाती बंदरगाह द्वारा की गई है। पर्यावरण पर इसके प्रभाव का अध्ययन करने के लिए कमराजार बंदरगाह द्वारा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एक स्वायत्तशासी केंद्र राष्ट्रीय टिकाऊ तटीय प्रबंधन केंद्र की सेवाएं ली गई हैं।

चेन्नई बंदरगाह एवं राज्य सरकार ने एर्नावूर तथा काशीमेडु फिशरिज हार्बर में 31 जनवरी, 2017 से विक्रित्सा शिविरों का आयोजन किया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने संग्रहित तेल गंदगी के उपचार के लिए तथा इसके सुरक्षित निपटान के लिए विशिष्ट बायो-रेमेडियेशन सामग्री उपलब्ध कराई है।

तटरक्षक सेना जहाज तथा हेलीकॉप्टर पानी पर तैरते तेल की नियमित निगरानी के लिए नियमित अंतराल पर छोटी उड़ानें भर रहे हैं। कहीं पर भी बिखरे तेल का संग्रहण दिखाई देता है तो वहां तटरक्षक सेना के समग्र पर्यवेक्षण के तहत सामग्री एवं श्रमबल की तैनाती की जाएगी।

जहाजरानी महानिदेशक ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए मर्चेंट शिपिंग अधिनियम के तहत एक वैधानिक जांच का गठन किया है। दोनों जहाजों को बंदरगाह छोड़ने से मना कर दिया गया है। जहाजरानी महानिदेशक जहाजों के मालिकों के साथ विचार-विमर्श कर रहे हैं और जल्द ही क्षतिपूर्ति के वितरण और बीमा कर्ताओं द्वारा दावों की अदायगी के तंत्र पर निर्णय हो जाएगा।

सरकार स्थिति को प्रबंधित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। इनसे संबंधित अभियानों से जुड़े सभी अधिकारियों को भरोसा है कि हालात नियंत्रण में हैं और दो दिनों में सफाई की पूरी प्रक्रिया संपन्न हो जाएगी। जहाजरानी राज्यमंत्री श्री पोन.राधाकृष्णन क्लीन अप ऑपरेशन का जायजा लेने के लिए आज चेन्नई में हैं।

वीके/एसकेजे/एनआर- 311

(Release ID: 1481808) Visitor Counter : 9

